Jansatta Date:-06-01-2019 Page:-04

'देश में बढ़ रही किताबें पढ़ने की संस्कृति'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 5 जनवरी।

मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शनिवार को प्रगति मैदान में 27वें विश्व पुस्तक मेले का उद्घाटन करते हुए कहा कि जीवन और समाज में किताबों की जरूरत बनी रहती है। कहा कि देश में पुस्तक संस्कृति बढ़ रही है। केंद्रीय मंत्री ने ब्रेल लिपि में कैटलॉग और कैलेंडर भी जारी किया। मेले की थीम दिव्यांगजनों की पठन आवश्यकताएं हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'अगर हम दिनभर में सिर्फ 50 पन्ने पढ़ते हैं तो इससे भी हमें संतुष्टि मिलती है। हमें नई सोच, कल्पना और संभावनाओं का पता चलता है। पुस्तकें हमें दुनिया के ढेर सारे अनुभवों से रूबरू कराती हैं। मुझे खुशी है कि हमारे देश में पढ़ने की संस्कृति बढ़ रही है और हमारा जीवन पढ़ाई के जरिए एक लक्ष्य पा रहा है। मैं उम्मीद करता हूं कि पढ़ने और विचारों के आदान-प्रदान से संस्कृति का विस्तार हो और सभी विचारों में विश्लेषण की रुचि भी बढ़े। साथ ही सभी विचारों का सम्मान भी बढ़ना चाहिए। मेरा मानना है कि किताबें पढ़ने से हमें इन सभी मूल्यों की सीख मिलती है'।

मंत्री ने कला और संस्कृति की गतिविधियों पर अपनी आय का एक हिस्सा खर्च करने का सुझाव देते हुए कहा, 'कला व संस्कृति जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण है। हमें अपनी कमाई को रहन-सहन और खान-पान पर खर्च करना चाहिए, लेकिन हमें अपनी कमाई का कुछ हिस्सा सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर भी खर्च करना चाहिए। तभी जीवन का कोई लक्ष्य होगा'।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), खासतौर पर शारजाह के साथ भारत के रिश्तों के बारे में बात करते हुए जावड़ेकर ने कहा, 'शारजाह और भारत वास्तव में अच्छे मित्र हैं। 20 लाख से ज्यादा भारतीय यूएई में रहते हैं। जब हम शारजाह या यूएई के किसी अन्य देश जाते हैं तो हमें घर से दूर होने के बावजूद घर जैसा महसूस होता है। बीते सालों में मित्रता, संबंध और सांस्कृतिक रिश्तों की प्रगति हुई है'। उद्घाटन कार्यक्रम में शारजाह के राजकीय संबंध विभाग के कार्यकारी अध्यक्ष और वहां के शाही परिवार के सदस्य शेख फहीम बिन सुल्तान अल कासिमी मुख्य अतिथि थे।

कासिमी ने कहा कि मजबूत अंतर-सांस्कृतिक रिश्तों को बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रम अहम हैं। कहा, 'इस देश के लिए सहिष्णुता का मूल्य नया नहीं है। भारत में आप सभी मतों, विश्वासों, भाषाओं और बौद्धिक आंदोलनों को समान अहमियत देते हैं जो मिलकर भारत के जीवंत और विविध सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने का निर्माण करता है।

पहला दिन रहा बच्चों के नाम

शनिवार को किताबों के मेले का पहला दिन था। स्कूलों की छुट्टी होने के कारण मेले का पहला दिन बच्चों के नाम रहा। मेले के हिंदी खंड में बच्चों की रंग-बिरंगी किताबें सजी थीं, लेकिन ज्यादातर बच्चे अंग्रेजी भाषा की किताबों के स्टॉल का ही रुख कर रहे थे। एमबीडी के स्टॉल पर बच्चों ने डिजिटल स्टॉल का आनंद उठाया। इस स्टॉल पर रोबोटिक्स और का अनुभव लेना स्कूली बच्चों के लिए खास रहा।

एमबीडी के स्टॉल पर रोबोटिक्स का अनुभव करते बच्चे।

साहित्य अकादेमी की 50 किताबों का लोकार्पण करते कमल किशोर गोयनका।

साहित्य अकादेमी की 50 किताबों का लोकार्पण

मेले में साहित्य अकादेमी की ओर से प्रकाशित 50 पुस्तकों का एक साथ लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के अतिथि केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा के उपाध्यक्ष कमल किशोर गोयनका ने कहा कि साहित्य अकादेमी की पुस्तकें साहित्य संसार का गौरव बढ़ाती है। वे न केवल अपने विषयों की विविधता में उत्कृष्ट होती है, बल्कि बेहद सस्ती भी होती है। उन्होंने कहा कि साहित्य अकादेमी से मेरा संबंध लगभग चार दशक पुराना है और इस बीच मैंने साहित्य अकादेमी की पुस्तकों की श्रेष्ठता को निरंतर बढ़ते हुए देखा है। यह श्रेष्ठता तकनीक, विषय-वस्तु और उनकी निरंतर बढ़ती संख्या में भी नजर आती है। साहित्य अकादेमी की पुस्तकें सस्ती होने के कारण विद्यार्थी वर्ग उन्हें बड़ी संख्या में खरीद पाता है। साहित्य अकादेमी के सचिव के श्रीनिवासराव ने कहा कि साहित्य अकादेमी की पुस्तक प्रकाशन नीति 24 भारतीय भाषाओं के साहित्य को अनुवाद के जरिए एक-दूसरे तक पहुंचाना है। अकादेमी के 'नारी चेतना' कार्यक्रम की अध्यक्षता रचनाकार मृदुला गर्ग ने की। इसमें जे भाग्यलक्ष्मी ने अपनी कविताएं, तरन्नुम रियाज ने उर्दू कहानी और सुकृता पॉल कुमार ने अंग्रेजी कविताएं प्रस्तुत की। मृदुला गर्ग ने कहा कि चेतना मनुष्य होने का पर्याय है। पृथ्वी पर जीवन और संस्कृति के विकास में महिलाओं का योगदान सबसे महत्त्वपूर्ण है। चेतना की कमी के कारण ही पुरुषों ने स्त्रियों को डरा-धमकाकर उनके और अपने बीच असमानता की एक ऐसी रेखा खींच दी जिसको मिटाया जाना जरूरी है।

मेले में आज

- वाणी प्रकाशन
  - लेखक से मिलिए : नरेंद्र कोहली की रचना यात्रा पर केंद्रित संवाद पर चर्चा में साथ होंगे लीलाधर मंडलोई। दो से तीन बजे तक।
  - रसराज पंडित रसराज : सुनीता बुद्धिराजा, संवाद में साथ होंगे लीलाधर मंडलोई। शाम पांच से छह बजे तक। हॉल नंबर एक-12ए।
  - शायर और गीतकार मनोज मुंतशिर से 'मेरी फितरत है मस्ताना' पर बातचीत करेंगी अदिति माहेश्वरी गोयल, दोपहर दो बजे से शाम तीन बजे तक। साहित्य मंच, हॉल संख्या 12ए।

- साहित्य अकादेमी
  'बहुभाषी रचना-पाठ' के अध्यक्ष होंगे गुजराती कवि वासुदेव सुनानी, शाम 5 बजे, हॉल संख्या 12, ऑथर्स कॉर्नर।

- अमन प्रकाशन, कानपुर
  कवि उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का लोकार्पण शाम 4 बजे, हॉल संख्या 12-ए के स्टॉल 151-153 पर।